B.Com.(Hons)
P3 - A/cs & Finance (H).
Paper - VI
Cost & Management Accounting.

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय राजनगर
(मधुबनी)

Date - 17.07.2020

UNIT - II

TOPIC - UNIT COSTING

[redacted] लागत लेखांकन की एक ऐसी विधि जिसके अंतर्गत एकरूप या एकसमान निर्मित वस्तुओं की कुल उत्पादन लागत तथा प्रति इकाई उत्पादन लागत ज्ञात की जाती है, उसे इकाई लागत (Unit costing) लेखांकन कहा जाता है. इस पद्धति में एक ही प्रकार की प्रमापित वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है, एवं उत्पादन की इकाई एक सी होती है तथा उत्पादन प्रक्रिया भी एक ही पद्धति से किया जाता है. जैसे- चीनी उद्योग, वस्त्र उद्योग एवं ईंट के भट्ठे आदि.

कुछ विद्वानों ने इसे निम्न प्रकार से परिभाषित किया है :—

1. प्रो० आर० वॉल्टरबॉग के अनुसार— "इकाई लागत प्रणाली का प्रयोग उस व्यवसाय में किया जाता है जो केवल प्रमापित वस्तु का उत्पादन करते हैं. और उत्पादन की एक आधार पर इकाई की लागत ज्ञात की जाती है."

2. वाल्टर डब्ल्यू बिग के अनुसार — "जहाँ एक ही प्रकार की वस्तुएँ जिन्हें किसी परिमाण या इकाई के रूप में [redacted] व्यक्त व उत्पादित किया जा सकता है, इकाई लागत विधि का प्रयोग किया जाता है."

(3) हैनसन एवं टेलर के अनुसार — " इकाई लागत लेखांकन लागत निर्धारण की एक ऐसी पद्धति है जो उत्पादन की इकाई पर आधारित है, अर्थात निर्माण कार्य निरंतर होता है तथा जो इकाइयाँ समान प्रकार की होती हैं, अतः उन्हें आधारों द्वारा एक समान बनाया जा सकता है।"

उपरोक्त परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता है कि इकाई लागत लेखांकन विधि का प्रयोग उन्हीं उद्योगों में किया जाता है जहाँ —

(i) उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है।
(ii) उत्पादन कार्य निरंतर चलता रहता है।
(iii) उत्पादन की इकाइयाँ एक ही किस्म के आकार में होती हैं।
(iv) उत्पादन की कुल लागत तथा प्रति इकाई लागत ज्ञात करना हो। तथा
(v) उत्पादन को स्वाभाविक मौलिक इकाइयों में मापना सम्भव हो।

इकाई लागत लेखांकन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं :—

(i) निश्चित अवधि में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तथा प्रति इकाई लागत ज्ञात करना।
(ii) कुल लागत को विभिन्न तत्वों के आधार पर प्रदर्शित करना
(iii) लागत के प्रत्येक तत्व का कुल लागत से प्रतिशत ज्ञात करना।
(iv) लागत की तुलनात्मक जानकारी प्रस्तुत कर परिवर्तन के कारणों को ज्ञात करना। तथा
(v) विक्रय मूल्य व टेण्डर मूल्य का निर्धारण करना।

Scanned with CamScanner

एक निश्चित अवधि में उत्पादित इकाइयों की कुल लागत तथा प्रति इकाई लागत ज्ञात करने के लिए लागत प्रस्तुतीकरण की निम्नलिखित पद्धतियाँ प्रयोग में लाई जाती हैं :—

(A) लागत पत्रक (COST SHEET)

(B) लागत एवं लाभ विवरण (STATEMENT OF COST and PROFIT)

(C) उत्पादन खाता (PRODUCTION ACCOUNT)

(A) लागत पत्रक (COST SHEET) :— एक ऐसा विवरण जिसमें किसी निश्चित अवधि में उत्पादित इकाइयों की कुल लागत को विभिन्न तत्वों के आधार पर प्रदर्शित करने के साथ-साथ प्रति इकाई लागत दर्शाई जाती है उसे लागत पत्रक (Cost sheet) कहा जाता है. इस पत्रक में उत्पादन संबंधी समस्त लागत सूचनाओं को मूल लागत, कारखाना लागत, उत्पादन की लागत तथा कुल लागत के रूप में विश्लेषित करके एक विवरण के रूप में इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है ताकि उत्पादन मात्रा, कुल लागत व प्रति इकाई लागत का स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो सके.

लागत पत्रक की विशेषता :—

(i) ऐसा विवरण एक सारणी (TABLE) के रूप में प्रदर्शित किया जाता है.

(ii) निश्चित अवधि के कुल उत्पादन तथा उसके विभिन्न अंगों को प्रदर्शित करना.

(iii) उत्पादन की इकाइयों की प्रति इकाई लागत की जानकारी प्रदान करना.

(iv) निविदा मूल्य व टेण्डर मूल्य के निर्धारण में सहायक होना.

(v) लागत नियंत्रण में सहायक होना।

(vi) प्रमापित लागत से तुलना कर अपव्यय व क्षति को रोकने में सहायक होना।

(vii) उपभोक्ताओं को सस्ती वस्तुएँ उपलब्ध कराने में सहायक होना।

(viii) मितव्ययिता की आदत में वृद्धि करना लाना।

(ix) व्यावसायिक अनुमानों की रोकने में सहायक होना।

COST SHEET में प्रदर्शित कुल लागत के विभिन्न भेद निम्नलिखित है :—

(1) मूल लागत (PRIME COST)

(2) कारखाना लागत (WORKS COST)

(3) कार्यालय लागत (OFFICE COST)

(4) विक्रय व वितरण व्यय (SELLING AND DISTRIBUTION EXPENSES)

(5) बेचे गये माल की लागत (COST OF GOODS SOLD)

(6) TOTAL COST कुल लागत

Scanned with CamScanner